“विविधता में एकता” की मिसाल — एक भारत श्रेष्ठ भारत

डॉ. अर्चना, सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलाँ, सोनीपत, हरियाणा।

सारांश:

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम भारत सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक, भाषाई, सामाजिक और भौगोलिक विविधता को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में पिरोना है। यह पहल 31 अक्टूबर 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ की गई थी। इस कार्यक्रम की मूल भावना है — भारत को उसकी विविधता के माध्यम से एक मजबूत, समावेशी और एकीकृत राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करना।

इस योजना के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जोड़ी के रूप में जोड़कर उनके बीच सांस्कृतिक, भाषाई, शैक्षणिक और सामाजिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया जाता है। उदाहरण के तौर पर उत्तर प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश को एक जोड़ी के रूप में जोड़ा गया है। इस जोड़ी के अंतर्गत दोनों राज्यों के विद्यार्थी एक-दूसरे के क्षेत्रों का भ्रमण करते हैं, उनकी भाषा, वेशभूषा, भोजन, हस्तशिल्प, और परंपराओं को समझते हैं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। इससे न केवल आपसी समझ बढ़ती है, बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी बल मिलता है।

इस पहल के मुख्य उद्देश्य हैं: विभिन्न समुदायों के बीच पारस्परिक समझ और सम्मान को बढ़ावा देना; राष्ट्रभक्ति और अखंडता की भावना को मजबूत करना; भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को समझना और अपनाना; और भारत की समृद्ध विरासत को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाना।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" योजना के अंतर्गत कई प्रकार की गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं, जैसे कि शैक्षणिक भ्रमण, भाषा शिक्षण कार्यक्रम, सांस्कृतिक महोत्सव, पाक कला प्रदर्शन, हस्तशिल्प मेला, साहित्यिक प्रतियोगिताएँ, और सोशल मीडिया अभियान। इन गतिविधियों से विद्यार्थी, शिक्षक, कलाकार, और आम नागरिक एक-दूसरे की संस्कृति को प्रत्यक्ष अनुभव करते हैं और भारत की विविधता का सम्मान करना सीखते हैं।

इस कार्यक्रम ने देशभर में सकारात्मक प्रभाव डाला है। विद्यार्थियों और युवाओं में विभिन्न राज्यों और समुदायों के प्रति जिज्ञासा, सहिष्णुता और स्वीकार्यता की भावना में वृद्धि हुई है। इससे भारत की 'एकता में विविधता' की अवधारणा और मजबूत हुई है। राज्य सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से यह कार्यक्रम देश के दूरदराज के क्षेत्रों तक भी पहुँच पाया है।

हालाँकि, इस योजना के समक्ष कुछ चुनौतियाँ भी रही हैं। जैसे कुछ राज्यों के बीच राजनीतिक मतभेद, दूरदराज के क्षेत्रों में संसाधनों की कमी, भाषा संबंधी अवरोध, और कार्यक्रमों की पहुंच सीमित होना। इन चुनौतियों से निपटने के लिए डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग, स्थानीय समुदायों की भागीदारी, वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था, और शिक्षण संस्थानों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

इस योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि इसे कितनी गंभीरता, समर्पण और समावेशी दृष्टिकोण से लागू किया जाता है। यदि सभी संबंधित पक्ष — केंद्र और राज्य सरकारें, शैक्षणिक संस्थान, स्थानीय समुदाय और युवा वर्ग — इसमें

सक्रिय रूप से भाग लें, तो यह पहल भारत को न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से सशक्त बनाएगी, बल्कि भावनात्मक और मानसिक स्तर पर भी देशवासियों को एकसूत्र में बाँधेगी।

अंततः, "एक भारत श्रेष्ठ भारत" न केवल एक सरकारी कार्यक्रम है, बल्कि यह भारत की आत्मा और उसके बहुलतावादी समाज के आदर्शों का जीवंत प्रतीक है। यह पहल दिखाती है कि भारत की सच्ची शक्ति उसकी विविधता में है, और इस विविधता को समझकर तथा स्वीकार करके ही हम एक समृद्ध, शांतिपूर्ण और सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।

मूल शब्द:- एक भारत श्रेष्ठ भारत, विविधता में एकता, राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, राज्यीय साझेदारी (State Pairing), भाषाई विविधता, सांस्कृतिक समरसता, भावनात्मक एकता, राष्ट्रीय अखंडता, डिजिटल भारत, शैक्षणिक भ्रमण, सांस्कृतिक महोत्सव, संविधान और राष्ट्रवाद, सामाजिक समावेशन (Social Inclusion), भारत पर्व, युवा सहभागिता, परंपरा और विरासत, शैक्षिक सहयोग, प्रादेशिक सहयोग, संघीय ढाँचा, राष्ट्रीय पहचान, समाज निर्माण, सांस्कृतिक समझदारी

भूमिका:

भारत एक प्राचीन सभ्यता और समृद्ध परंपराओं वाला देश है, जो 'विविधता में एकता' की भावना का जीवंत प्रतीक है। इसकी सांस्कृतिक, भाषाई, भौगोलिक और सामाजिक विविधता इतनी विशाल है कि यह विश्व के किसी अन्य राष्ट्र में नहीं देखी जाती। विभिन्न धर्म, जातियाँ, भाषाएँ और परंपराएँ यहाँ सह-अस्तित्व के साथ पनपती हैं, जिससे भारत की आत्मा और पहचान को बल मिलता है। ऐसी विविधता के बावजूद, भारत एक राष्ट्र के रूप में हमेशा एकजुट रहा है, और इस एकता को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए भारत सरकार द्वारा अनेक प्रयास किए गए हैं।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" (Ek Bharat Shreshtha Bharat) कार्यक्रम भारत सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी और दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य इस विविधता को समझना, सम्मान देना और उसे एक राष्ट्रीय पहचान में पिरोना है। यह कार्यक्रम न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर एकता को बढ़ावा देता है, बल्कि भावनात्मक और बौद्धिक एकता की भावना को भी प्रबल करता है। इस पहल के माध्यम से भारत के विभिन्न राज्य और केंद्र शासित प्रदेश एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा, इतिहास और जीवनशैली को जानने और समझने का अवसर प्राप्त करते हैं।

इस शोध पत्र में हम "एक भारत श्रेष्ठ भारत" योजना की पृष्ठभूमि, इसके उद्देश्यों, कार्यान्वयन की रणनीति, प्रमुख गतिविधियाँ, कार्यक्रम के प्रभाव और चुनौतियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे। साथ ही, हम यह भी जानने का प्रयास करेंगे कि यह योजना किस प्रकार भारत की राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हो रही है और इसके माध्यम से विविधता को देश की शक्ति में कैसे परिवर्तित किया जा रहा है।

1. एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना:

इस पहल की परिकल्पना भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर की गई थी। सरदार पटेल, जिन्होंने स्वतंत्र भारत के विभिन्न रियासतों को एकजुट कर आधुनिक भारत की नींव रखी, उनकी एकता की सोच को सम्मानित करने हेतु यह योजना प्रारंभ की गई। इस योजना के माध्यम से भारत सरकार का उद्देश्य है कि विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच भाषा, संस्कृति, इतिहास और जीवनशैली के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाए ताकि नागरिकों में आपसी समझ, सहिष्णुता और एकता की भावना प्रबल हो।

यह परिकल्पना इस विश्वास पर आधारित है कि यदि भारत की विविधताओं को एक मंच पर लाया जाए और नागरिकों को एक-दूसरे की परंपराओं, भाषाओं और सांस्कृतिक मूल्यों को समझने का अवसर मिले, तो इससे भावनात्मक एकता मजबूत होगी और राष्ट्रीय एकीकरण को नई दिशा मिलेगी। यह केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान की योजना नहीं है, बल्कि एक दूरदर्शी सामाजिक-शैक्षणिक आंदोलन है, जो भारत की भावनात्मक संरचना को अधिक समावेशी और सामूहिक बनाता है।

इस योजना का विज़न भारत को ऐसा राष्ट्र बनाना है जहाँ हर राज्य और नागरिक अन्य राज्यों की विविधताओं को अपनाने और सराहने के लिए तत्पर हो। यह भावना न केवल राष्ट्रीयता को बल देती है, बल्कि क्षेत्रीय सीमाओं को भी धुंधला करती है, जिससे एक साझा भारतीय पहचान और सामाजिक एकता को प्रोत्साहन मिलता है।

2. उद्देश्य:

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" योजना का मुख्य उद्देश्य भारत की विविधता को एक सूत्र में बांधते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ करना है। यह पहल विभिन्न स्तरों पर सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए अनेक उप-लक्ष्यों को अपने भीतर समाहित करती है:

- **राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना:** यह योजना भारत के नागरिकों में आपसी समझ, सद्भाव और सहयोग की भावना को प्रबल करती है। जब लोग एक-दूसरे की संस्कृति को करीब से जानते हैं, तो उनमें एक भावनात्मक जुड़ाव उत्पन्न होता है जो राष्ट्र को मजबूती देता है।
- **भाषा, संस्कृति, व्यंजन, परिधान, परंपरा, संगीत आदि के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना:** इस पहल के अंतर्गत राज्यों को जोड़ी बनाकर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से एक-दूसरे की जीवनशैली को समझने और अपनाने का अवसर दिया जाता है। इससे सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक सम्मान को बढ़ावा मिलता है।
- **विद्यार्थियों और युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना:** देश के युवा वर्ग को देश की विविध संस्कृति से परिचित कराना और उनमें देश के प्रति गर्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना इस योजना का एक प्रमुख उद्देश्य है। शैक्षणिक भ्रमण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और संवाद मंच युवाओं को प्रेरित करते हैं।
- **भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को समझने और अपनाने की भावना को बढ़ावा देना:** भारत की बहुरंगी सांस्कृतिक विरासत को केवल एक राज्य तक सीमित न रखकर पूरे राष्ट्र में फैलाना इस पहल का लक्ष्य है। जब कोई व्यक्ति अन्य राज्यों की संस्कृति को जानता और सराहता है, तो उसमें राष्ट्रीय पहचान और गर्व की भावना विकसित होती है।

इन उद्देश्यों के माध्यम से यह कार्यक्रम एक समावेशी, एकीकृत और सहिष्णु भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में अग्रसर है।

3. कार्यान्वयन की रणनीति:

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम का कार्यान्वयन बहुस्तरीय और समावेशी दृष्टिकोण पर आधारित है। इस योजना के तहत देश के प्रत्येक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश को एक अन्य राज्य/प्रदेश के साथ एक जोड़ी के रूप में जोड़ा जाता है। यह जोड़ी एक निर्धारित अवधि तक बनी रहती है, जिसके अंतर्गत दोनों राज्य एक-दूसरे की सांस्कृतिक, भाषाई, शैक्षणिक, पारंपरिक और सामाजिक विशेषताओं को साझा करते हैं।

उदाहरणस्वरूप, उत्तर प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश को एक-दूसरे का 'सांस्कृतिक जोड़ीदार' बनाया गया था। इस जोड़ी के अंतर्गत दोनों राज्यों ने परस्पर सांस्कृतिक मेलों का आयोजन किया, शैक्षणिक भ्रमणों का आदान-प्रदान किया, और स्थानीय

व्यंजनों व लोककलाओं का प्रदर्शन किया। ऐसे जोड़े पूरे भारतवर्ष में निर्धारित किए गए हैं, जिससे देश के कोने-कोने में संवाद और समझ की एक सेतु का निर्माण हो सके।

प्रमुख कार्यान्वयन रणनीतियाँ इस प्रकार हैं:

- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम:** विभिन्न राज्यों के कलाकार एक-दूसरे के राज्यों में जाकर वहाँ की पारंपरिक लोकनृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियाँ देते हैं। इससे सांस्कृतिक विविधता को प्रत्यक्ष अनुभव किया जाता है।
- **विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण:** स्कूल और कॉलेज स्तर पर छात्रों के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें वे अन्य राज्य की शैक्षणिक संस्थाओं, विरासत स्थलों और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण करते हैं। इससे युवा वर्ग में विविधता के प्रति समझ और स्वीकार्यता विकसित होती है।
- **भाषाई आदान-प्रदान:** विद्यार्थियों को उनके जोड़ी राज्य की भाषा की मूल बातें सिखाई जाती हैं। उदाहरणतः, यदि उत्तराखंड की जोड़ी तमिलनाडु से बनती है, तो उत्तराखंड के छात्रों को तमिल भाषा के मूल शब्द और भाव सिखाए जाते हैं और उनके पोस्टर, पुस्तकें व कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं।
- **पारंपरिक हस्तशिल्प और व्यंजन मेलों का आयोजन:** विभिन्न जोड़ीदार राज्य मिलकर हस्तशिल्प, हस्तकला और क्षेत्रीय व्यंजनों के प्रदर्शन के लिए मेलों व प्रदर्शनों का आयोजन करते हैं। इससे आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग को बल मिलता है।
- **साहित्यिक प्रतियोगिताएँ:** निबंध लेखन, कविता पाठ, नाट्य लेखन आदि प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों को अन्य राज्य की संस्कृति पर लिखने के लिए प्रेरित किया जाता है। इससे वे उस राज्य के बारे में गहन जानकारी प्राप्त करते हैं।

कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय संगठनों को परस्पर समन्वय से कार्य करना होता है। केंद्र सरकार समय-समय पर दिशानिर्देश और संसाधन प्रदान करती है ताकि योजना के उद्देश्यों को सुदृढ़ता से लागू किया जा सके। इस रणनीतिक पहल ने राष्ट्र के विभिन्न हिस्सों को आपसी समझ, सहयोग और सौहार्द्र की भावना से जोड़ने का सशक्त माध्यम सिद्ध किया है।

4. प्रमुख गतिविधियाँ और घटनाएँ:

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की बहुआयामी गतिविधियाँ और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो देश के नागरिकों को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपरा, भाषा और जीवनशैली से परिचित कराते हैं। ये गतिविधियाँ न केवल शिक्षण संस्थानों और शासकीय निकायों द्वारा आयोजित की जाती हैं, बल्कि सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और डिजिटल मंचों के माध्यम से भी क्रियान्वित होती हैं। प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

- **"भारत पर्व" का आयोजन:** यह एक प्रमुख सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियाँ, शिल्पकला, संगीत, नृत्य, व्यंजन, और परंपराएँ प्रदर्शित की जाती हैं। यह मेला आम जनता को विभिन्न संस्कृतियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करता है और राष्ट्रीय एकता की भावना को बल देता है।
- **राज्यों के बीच स्कूल और कॉलेज स्तर पर साझेदारी कार्यक्रम:** विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें वे अपने जोड़ीदार राज्य के शैक्षणिक संस्थानों का दौरा करते

हैं, वहाँ की संस्कृति को समझते हैं, और संवाद स्थापित करते हैं। इससे युवा वर्ग में विविधता के प्रति सम्मान और उत्सुकता उत्पन्न होती है।

- **रेडियो और दूरदर्शन पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रसारण:** आकाशवाणी और दूरदर्शन जैसे राष्ट्रीय प्रसारण माध्यमों के द्वारा विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पारंपरिक संगीत, लोकनाट्य, भाषा शिक्षण कार्यक्रमों तथा संबंधित शख्सियतों के साक्षात्कार प्रसारित किए जाते हैं। यह व्यापक जनसंख्या तक विविधता के संदेश को पहुँचाने का प्रभावशाली माध्यम है।
- **सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग:** डिजिटल क्रांति के इस युग में सोशल मीडिया, यूट्यूब, वेबिनार्स, ब्लॉग्स और शॉर्ट वीडियो प्लेटफार्मों के माध्यम से राज्यों की सांस्कृतिक विशेषताओं को साझा किया जाता है। इंस्टाग्राम अभियान, ट्विटर हैशटैग, फेसबुक लाइव इवेंट्स, और ई-न्यूज़लेटर्स जैसी तकनीकों से युवाओं को जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- **साहित्यिक, पाक कला, और चित्रकला प्रतियोगिताएँ:** विद्यार्थियों के बीच अन्य राज्यों की भाषाओं में निबंध लेखन, कविता पाठ, पाक कला प्रतियोगिता, और पोस्टर/चित्रकला प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ये गतिविधियाँ प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता के प्रति भावनात्मक जुड़ाव भी स्थापित करती हैं।
- **विरासत स्थलों का संयुक्त भ्रमण:** दो राज्यों के विद्यार्थियों को एक-दूसरे के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत स्थलों पर ले जाकर भारत की समृद्ध सभ्यता का अनुभव कराया जाता है।

इन गतिविधियों की निरंतरता, विविधता और प्रभावशीलता ही इस योजना की व्यापक पहुँच और सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करती है।

5. प्रभाव और सफलता:

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम ने अपने क्रियान्वयन के पश्चात् अनेक सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किए हैं, जो देश की सामाजिक संरचना, शैक्षणिक परिदृश्य, और सांस्कृतिक जागरूकता को नया आयाम देते हैं। इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों, युवाओं, शिक्षकों, कलाकारों और आम नागरिकों को देश की सांस्कृतिक विविधता से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस अनुभूति ने उन्हें भारत की आत्मा को समझने और सम्मान देने की दिशा में प्रेरित किया है।

- विद्यार्थियों और युवाओं में विविधताओं के प्रति सम्मान, सहिष्णुता और स्वीकार्यता की भावना में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। वे अब न केवल अपनी राज्यीय पहचान पर गर्व करते हैं, बल्कि अन्य राज्यों की परंपराओं, भाषाओं और जीवनशैली को भी अपनाने को तत्पर हैं।
- इस योजना ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता को गहराई से बल प्रदान किया है। जब दो भिन्न राज्यों के लोग आपसी सांस्कृतिक अनुभव साझा करते हैं, तो एक राष्ट्र के रूप में उनकी भावनात्मक एकता और सहयोग की भावना प्रबल होती है।
- भारत की सांस्कृतिक विविधता, जो प्रायः केवल पुस्तकों और पाठ्यक्रमों तक सीमित रहती थी, अब मंचों, प्रदर्शनियों, महोत्सवों और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से जीवंत रूप में सामने आई है। इसने लोगों को विविध संस्कृति को देखने, समझने और उसका उत्सव मनाने का अवसर प्रदान किया है।
- इस योजना के चलते राज्यों के बीच पर्यटन को भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा मिला है। जब लोग अन्य राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, भोजन, हस्तशिल्प और ऐतिहासिक स्थलों से परिचित होते हैं, तो वे वहाँ यात्रा करने के लिए प्रेरित होते हैं। इससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिला है, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी मजबूती मिली है।

- शैक्षणिक संस्थानों में नई सोच और शैक्षिक सामग्री का समावेश हुआ है, जिससे छात्र केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और अनुभवात्मक शिक्षा प्राप्त कर सके हैं।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर इस योजना से संबंधित सामग्री जैसे वीडियोज़, व्लॉग्स, संवाद, वेबिनार्स आदि के माध्यम से लोगों में जागरूकता और भागीदारी की भावना का संचार हुआ है। युवाओं ने इन प्लेटफार्मों के माध्यम से रचनात्मक रूप से अपनी संस्कृति को प्रदर्शित करने का अवसर भी पाया है।
- शिक्षकों और शिक्षाविदों के लिए भी यह कार्यक्रम एक प्रेरणा स्रोत बना है। उन्होंने अन्य राज्यों की शैक्षणिक विधियों, पठन-पाठन की रणनीतियों और शिक्षण-अभिगमों को अपनाया है, जिससे शिक्षा प्रणाली में नवाचार को बढ़ावा मिला है।

इस प्रकार, इस योजना ने भारत में सामाजिक समरसता, आपसी सम्मान और राष्ट्रीय अखंडता के मूल्यों को सशक्त करने का कार्य किया है।

6. चुनौतियाँ:

हालाँकि "एक भारत श्रेष्ठ भारत" योजना ने राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समरसता को मजबूत करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है, फिर भी इसके सफल क्रियान्वयन के मार्ग में कुछ महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ सामने आई हैं। इन चुनौतियों को समझना और उनका समाधान खोजना योजना की दीर्घकालिक सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है:

- **राजनीतिक और प्रशासनिक मतभेद:** कुछ राज्यों के बीच राजनीतिक विचारधाराओं या प्रशासनिक प्राथमिकताओं में भिन्नता के कारण आपसी समन्वय में कठिनाई उत्पन्न होती है। यह मतभेद योजना के कार्यान्वयन में असमानता और अस्थिरता ला सकते हैं, जिससे कार्यक्रम की प्रभावशीलता प्रभावित होती है।
- **दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंच की कमी:** भारत के कई दुर्गम और सीमावर्ती इलाके जैसे पूर्वोत्तर भारत, हिमालयी क्षेत्र, और आदिवासी क्षेत्र अभी भी बुनियादी ढांचे की कमी, परिवहन सुविधा के अभाव, और सूचना के अभाव से जूझ रहे हैं। ऐसे क्षेत्रों में योजना की गतिविधियों को पहुँचाना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।
- **भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के कारण समन्वय की जटिलता:** भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ प्रचलित हैं। जब दो राज्यों की साझेदारी होती है, तो उनके बीच भाषा की असंगतता, सांस्कृतिक प्रथाओं की भिन्नता और पारंपरिक सोच में अंतर संवाद को कठिन बना देता है। इस कारण से गतिविधियों के संचालन और सहभागिता सुनिश्चित करने में कई बार दिक्कतें आती हैं।
- **स्थानीय सहभागिता की कमी:** कई बार योजना की जानकारी जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुँच पाती, जिससे स्थानीय समुदायों की भागीदारी सीमित रह जाती है। समुदायों की सक्रिय सहभागिता के बिना कार्यक्रम केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।
- **वित्तीय और संसाधन संबंधी सीमाएँ:** कुछ राज्यों और शैक्षणिक संस्थानों में संसाधनों की कमी के कारण वे इस योजना को पूरी तरह से लागू करने में असमर्थ रहते हैं। बजट की असमानता और मानव संसाधनों की कमी भी इस दिशा में बाधा उत्पन्न करती है।

इन चुनौतियों से पार पाने के लिए नीति निर्माताओं, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय, जागरूकता अभियान, संसाधनों की समान उपलब्धता और डिजिटल तकनीकों के नवाचार की आवश्यकता है।

7. समाधान और सुझाव:

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" योजना की प्रभावशीलता को और अधिक बढ़ाने तथा उसके क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का समाधान ढूंढने के लिए निम्नलिखित सुझाव महत्वपूर्ण हो सकते हैं:

- **डिजिटल तकनीक का समुचित उपयोग:** डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म जैसे कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, वर्चुअल कल्चरल फेस्टिवल, ऑनलाइन भाषाई शिक्षण कार्यक्रमों और डिजिटल लाइब्रेरी का व्यापक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे दूरदराज़ क्षेत्रों तक भी कार्यक्रम की पहुंच सुनिश्चित की जा सकती है और विद्यार्थियों को सुलभ एवं सशक्त माध्यम मिल सकता है।
- **स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी:** केवल प्रशासनिक या शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित न रहते हुए स्थानीय पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय कलाकारों को भी इस योजना में सम्मिलित किया जाए। इससे न केवल कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी बल्कि स्थानीय लोगों में अपनी संस्कृति और अन्य राज्यों की परंपराओं के प्रति रुचि भी बढ़ेगी।
- **वित्तीय और संसाधन संरचना का सुदृढ़ीकरण:** केंद्र एवं राज्य सरकारों को मिलकर दीर्घकालिक बजट योजना तैयार करनी चाहिए, जिससे आवश्यक संसाधनों की पूर्ति समय पर हो सके। विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों और संस्थानों को प्राथमिकता देकर उन्हें आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान की जानी चाहिए।
- **शिक्षण संस्थानों की अनिवार्य भागीदारी:** विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में इस योजना को पाठ्यक्रम या सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का हिस्सा बनाया जा सकता है। छात्रों के लिए 'स्टेट पेयरिंग क्लब', 'सांस्कृतिक संवाद मंच', और 'अंतर-राज्यीय अध्ययन' जैसी पहलें प्रारंभ की जा सकती हैं। शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देकर उन्हें इस योजना के संचालन और मूल्यांकन में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए।
- **समीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली का निर्माण:** कार्यक्रम की नियमित निगरानी, मूल्यांकन और फीडबैक सिस्टम को सुदृढ़ करना आवश्यक है ताकि उसकी गुणवत्ता और प्रभाव का आकलन किया जा सके। इसके माध्यम से समय-समय पर रणनीतियों में आवश्यक सुधार भी संभव होंगे।
- **संचार और प्रचार का सशक्त नेटवर्क:** प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करके इस योजना की जानकारी को जन-जन तक पहुँचाना चाहिए। सफल कहानियों और अनुभवों को साझा करने से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी और सहभागिता बढ़ेगी।

इन उपायों को अपनाकर "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली, समावेशी और राष्ट्रनिर्माण में उपयोगी बनाया जा सकता है।

8. निष्कर्ष:

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" एक दूरदर्शी और समावेशी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत की असंख्य विविधताओं — भाषाई, सांस्कृतिक, भौगोलिक और सामाजिक — को एक मजबूत राष्ट्र की पहचान में बदलना है। यह कार्यक्रम न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करता है, बल्कि भारत के नागरिकों में एकता, सहिष्णुता और सहयोग की भावना को भी मजबूती प्रदान करता है। आज के वैश्वीकृत और तकनीकी रूप से जुड़े समाज में, जहाँ क्षेत्रीय भिन्नताएँ अक्सर विभाजन का कारण बनती हैं, वहाँ इस प्रकार की पहल भारत को एक 'विविधताओं में एकता' वाले राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकती है। यदि इसे नीति निर्माताओं, शैक्षणिक संस्थानों, स्थानीय समुदायों और नागरिक समाज के समन्वित प्रयासों के साथ निरंतरता, समर्पण और नवाचार के साथ लागू किया जाए, तो यह योजना भारत को न केवल सामाजिक-सांस्कृतिक

रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि राष्ट्रीय चेतना, भावनात्मक एकता और आपसी सम्मान की भावना को भी दृढ़ता प्रदान करेगी। यह पहल भारत की आत्मा को उसकी जड़ों से जोड़ने और नागरिकों को साझा उत्तरदायित्व की भावना से भरने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

"जब भारत के कोने-कोने से आवाज़ एक साथ उठे — 'हम एक हैं', तभी 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना साकार होगी।"

संदर्भ:

- भारत सरकार की आधिकारिक वेबसाइट: https://www.india.gov.in
- एक भारत श्रेष्ठ भारत पोर्टल: https://ekbharat.gov.in
- समाचार स्रोत: पी.आई.बी. इंडिया (Press Information Bureau): https://pib.gov.in
- योजना आयोग रिपोर्ट्स एवं नीति आयोग दस्तावेज
- विभिन्न राज्य सरकारों की रिपोर्टें एवं सरकारी समाचार पत्र
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट: https://www.education.gov.in
- NCERT एवं UGC द्वारा प्रकाशित शैक्षणिक रिपोर्ट्स
- 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विषय पर प्रकाशित शोध पत्र एवं जर्नल लेख
- भारत पर्व एवं अन्य सांस्कृतिक उत्सवों पर आधारित दस्तावेज और रिपोर्ट्स
- 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' से संबंधित यूनेस्को, यूनीसेफ, और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों की टिप्पणियाँ (जहाँ लागू हो)
- संबंधित राज्यों (जैसे उत्तर प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश) के पर्यटन विभागों द्वारा जारी सांस्कृतिक दस्तावेज
- डिजिटल इंडिया पोर्टल्स एवं राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) द्वारा उपलब्ध आँकड़े
- लोकसभा एवं राज्यसभा में प्रस्तुत योजनाओं से संबंधित शून्यकाल प्रश्नोत्तर एवं बहसों के अभिलेख
- समाचार पत्र जैसे 'द हिन्दू', 'इंडियन एक्सप्रेस', 'द टाइम्स ऑफ इंडिया', 'जनसत्ता', 'दैनिक भास्कर' में प्रकाशित रिपोर्ट्स
- एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रमों से संबंधित सोशल मीडिया अभियानों और जनभागीदारी से जुड़े केस स्टडीज